रामकृष्ण मिशन, रांची केंद्र : एक ऐतिहासिक अवलोकन

(1927 ई०-2017 ई०)

पीएच०डी० उपाधि हेतु प्रस्तावित शोध प्रबंध की रूपरेखा

इतिहास विभाग (सामाजिक विज्ञान संकाय)
राँची विश्वविधालय, राँची

शोध निर्देशिका:

डॉ० आयशा अहमद
सहायक प्राध्यापक
निर्मला कॉलेज
रांची विश्वविद्यालय, रांची

शोधार्थी :

प्रिया सिंह
नेट जे०आर०एफ०
विश्वविद्यालय इतिहास विभाग
रांची विश्वविद्यालय, रांची

रांची में रामकृष्ण मिशन : एक ऐतिहासिक अवलोकन

(1927 ई०-2017 ई०)

1.विषय का परिचय

आध्यात्मिक जागरण एवं सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित रामकृष्ण मिशन, भारत के ऐतिहासिक परिदृश्य में एक प्रतिष्ठित स्थान रखता है। स्वामी विवेकानंद विभिन्न धर्म, दर्शन के ज्ञाता एवं वेदांत के प्रभावशाली गुरु थे। विवेकानंद अपनी गुरु रामकृष्ण परमहंस की भांति सभी धर्मों की समानता एवं मानवतवादी विचारों मे विश्वास रखते थे। अपने गुरु की शिक्षाओं से प्रेरित होकर स्वामी विवेकानंद ने 1897 ई० में वेदांत दर्शन के प्रसार एवं परोपकारी संगठन के रूप में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। जिसका मुख्यालय बेलूर मठ, पश्चिम बंगाल मे है एवं इसका आदर्श वाक्य है- **"आत्मनो मोक्षार्थम् जगत् हिताय् च"**, अथार्त "स्वयं के उद्धार के लिए एवं विश्व के कल्याण के लिए"।

स्वामी विवेकानंद की दृष्टि थी की देश के विभिन्न भागो में आश्रम की स्थापना कर मिशन के विकास कार्यक्रम को पूरा किया जाए। इसी क्रम में स्वामी विशुद्धानंद महाराज ने झारखंड के आदिवासी क्षेत्र के विकास हेतु 1927 ई० में रांची में रामकृष्ण मिशन आश्रम की स्थापना की। यहाँ मिशन के विकास कार्य को उन्नत करने के उदेश्य से 1969 में एक ग्रामीण विकास मॉडल 'दिव्यायन' को शुरु किया गया। झारखंड की राजधानी रांची एक समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत रखती है। रामकृष्ण मिशन आश्रम ने रांची के सामाजिक,

आर्थिक, सांस्कृतिक-आध्यात्मिक, शैक्षिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मिशन द्वारा युवा किसानो एवं ग्रामीण समुदाय के पिछड़े वर्गों को कृषि एवं संबंध कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे की वे आत्मनिर्भर बन सकें। आश्रम ने विभिन्न आपदाओं के समय लोगों की मदद की है और सामुदायिक कल्याण एवं महिला सशक्तिकरण के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाई है।

मिशन ने विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से स्कूलों, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों सहित कई शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना की है। इन संस्थानों में विषय के ज्ञान के साथ नैतिकता, अनुशासन, और सामाजिक सेवा के मूल्यों पर बल दिया जाता है, जिससे छात्रों का समग्र विकास हो सके। मिशन द्वारा समाज के वंचित वर्गों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए अस्पतालों, औषधालयों और मोबाइल चिकित्सा इकाइयों की स्थापना की गई है जहाँ सस्ती एवं उच्च गुणवता की चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध है। आश्रम द्वारा विभिन्न पूजा एवं उत्सवों का आयोजन कर भारतीय संस्कृति एवं परंपरा का प्रसार किया जाता है। यहाँ रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं का प्रसार कर आध्यात्मिक जागृति लाने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकार रांची में रामकृष्ण मिशन ने विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा सामाजिक कल्याण एवं सामाजिक न्याय का प्रयास किया गया है।

1.1 साहित्य समीक्षा

स्वामी विवेकानंद ने 1897 ई० में रामकृष्ण मिशन की स्थापना कर देश-विदेश में वेदांत दर्शन का प्रसार किया तथा रामकृष्ण मिशन आश्रम की विभिन्न शाखाओं के माध्यम से मानवता के कल्याणार्थ कार्य किये जा रहे हैं। यहाँ कुछ पुस्तकों में हमें विषय से संबंधित जानकारी प्राप्त होती है। स्वामी सारदानंद द्वारा रचित ***महान गुरु श्री रामकृष्ण***, यह श्री रामकृष्ण परमहंस की जीवनी है जो उनके प्रमुख शिष्यों में से एक द्वारा लिखी गई है। यह श्री रामकृष्ण के जीवन और शिक्षाओं का व्यापक ज्ञान प्रदान करता है। स्वामी विवेकानन्द द्वारा रचित ग्रंथ ***द कम्प्लीट वर्क्स ऑफ स्वामी विवेकानंद*** में उनके दर्शन, व्याख्यानों, पत्रों, लेखों इत्यादि का एक व्यापक संग्रह है। इसमें योग दर्शन यथा भक्ति योग, राज योग, ज्ञान योग, कर्म योग का वर्णन है। यह ग्रंथ रामकृष्ण मिशन के शिक्षाओं को प्राप्त करने के लिए एक उत्तम संसाधन है जो मानसिक, अध्यात्मिक उन्नति में सहायक है। स्वामी निखिलानंद द्वारा रचित पुस्तक ***स्वामी विवेकानन्द का जीवन,*** यह स्वामी विवेकानन्द की दो खंडों वाली जीवनी है जो उनके जीवन और कार्य का विस्तृत विवरण प्रदान करती है। यह पुस्तक विवेकानंद के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को समझने के लिए एक उत्कृष्ट रचना है। सिस्टर निवेदिता द्वारा लिखित ***द मास्टर एज़ आई सॉ हिम***, यह पुस्तक स्वामी विवेकानंद के जीवन का विनम्र एवं बुद्धिमातापूर्ण वर्णन प्रस्तुत करता है। सिस्टर निवेदिता स्वामी विवेकानंद की शिष्या थी जिन्होंने अपनी निजी अनुभवों के आधार पर स्वामी विवेकानंद के जीवन के महत्वपूर्ण घटनाओं से उनकी मृत्यू तक का वर्णन किया है। स्वामी प्रभानंद द्वारा लिखित पुस्तक ***अर्ली हिस्ट्री ऑफ रामकृष्ण मूवमेंट***, में रामकृष्ण मिशन की स्थापना एवं इस संगठन के आरंभिक विकास से संबंधित जानकारी के लिए यह पुस्तक उपर्युक्त है। स्वामी प्रभानंद द्वारा लिखित एक अन्य

पुस्तक ***स्वामी विवेकानन्द विज़न ऑफ रूरल डेवलपमेंट*** , में आर्थिक विकास के प्रमुख पहलु ग्रामीण विकास पर स्वामी विवेकानंद के विचार की चर्चा की गई है। यहाँ स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता पश्चात समय एवं परिस्थितियों के साथ ग्रामीण विकास के बदलते पहलुओं का वर्णन है। ग्रामीण विकास को आधुनिकता से जोड़ने, विकास कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी एवं जनसंगठन के महत्व पर स्वामी विवेकानंद की दृष्टि का विवरण दिया गया है। नंद लाल गुप्ता की पुस्तक ***योगिराजाधिराज स्वामी विशुद्धानंद परमहंसदेव : जीवन और दर्शन*** **,** इस पुस्तक में स्वामी विशुद्धानंद की अलौकिक जीवनी प्रस्तुत की गई है। स्वामी विशुद्धानंद ने योग तथा विज्ञान में सर्वोच्चता को प्राप्त कर लिया था। प्रस्तुत रचना में स्वामी विशुद्धानंद के आरम्भिक जीवन, जीवन के मूल परिवर्तन, साधना, दीक्षा तथा उनके उपदेशों का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

1.2 शोध रिक्ति

उपरोक्त साहित्य के अवलोकन से हमें ज्ञात होता है कि स्वामी विवेकानंद एवं उनके द्वारा स्थापित रामकृष्ण मिशन की जानकारी के लिए विभिन्न रचनाएँ उपलब्ध हैं। रामकृष्ण मिशन के विभिन्न शाखाओं एवं उनके कार्य के संबंध में हमें यत्र-तत्र वर्णन मिलता है, किंतु रामकृष्ण मिशन आश्रम, रांची के संबंध में अध्ययन का अभाव है। विशेषतः झारखंड जैसे जनजातीय बहुल क्षेत्र में मिशन की स्थापना की पृष्ठभूमि पर साहित्य की अनुपलब्धता है। रांची में रामकृष्ण मिशन की स्थापना किन उद्देश्यों से हुई एवं मिशन ने यहाँ के बहुसंख्यक आबादी जनजातीय समुदाय के जीवन को किस प्रकार प्रभावित किया, इसका वर्णन नहीं मिलता है।

रामकृष्ण मिशन, रांची द्वारा संचालित सामाजिक कल्याण योजनाओं एवं समय के साथ समाज पर इसके बहुमुखी प्रभाव को समझने में मौजूदा ज्ञान सीमित है। रामकृष्ण मिशन, रांची के ऐतिहासिक महत्व और योगदान को व्यापक रूप से प्रस्तुत करने और समाज के विभिन्न वर्गों के विकास में इसके व्यावहारिक उपयोगिता की जानकारी देने के लिए इन शोध अंतरालों को संबोधित करना आवश्यक है। रांची में रामकृष्ण मिशन आश्रम की स्थापना, विकास, विभिन्न क्षेत्रों में इसके उल्लेखनीय योगदान का व्यापक अध्ययन कर इस शोध अंतराल को भरा जा सकता है।

1.3 शोध की समस्या

प्रस्तावित शोध की समस्या रांची एवं समीपवर्ती क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक विकास में रामकृष्ण मिशन, रांची के व्यापक और दीर्घकालिक परिणामों की जाँच करना है। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सामाजिक कल्याण और सांस्कृतिक संरक्षण सहित जीवन के विभिन्न पहलुओं पर मिशन के प्रभाव की क्या सीमा और प्रकृति रही है। झारखंड एक जनजातीय बहुल क्षेत्र है अतः प्रस्तुत अध्ययन के माध्यम से यह समझने का प्रयास किया जाएगा कि मिशन की पहल ने जनजातीय आबादी की जरुरतों को कैसे संबोधित किया तथा इसके योगदान ने व्यापक सामाजिक परिवर्तनों को कैसे प्रभावित किया। इसके साथ ही रांची के बदलते सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ में मिशन की उभरती भूमिका को प्रकाश में लाया जाए। इन पहलुओं का अध्ययन कर रामकृष्ण मिशन के कार्यों के ऐतिहासिक महत्व और व्यवहारिक परिणामों के संदर्भ में मौजूदा शोध अंतराल को भरा जा सकता है।

1.4 शोध का उदेश्य

प्रत्येक शोध कार्य कुछ निश्चित उदेश्य से प्रेरित होते हैं। यह उदेश्य ही कार्य को निश्चित दिशा प्रदान करते है। प्रस्तावित शोध प्रबंध निम्नलिखित उदेश्यों से अभिप्रेरित हैं -

- रांची में रामकृष्ण मिशन की ऐतिहासिक उत्पत्ति एवं विकास का वर्णन करना।
- रामकृष्ण मिशन, रांची के प्रारंभिक चुनौतियों का पता लगाना।
- रामकृष्ण मिशन, रांची के आर्थिक और सामाजिक विकास कार्यक्रम एवं उनके प्रभाव का आकलन करना।
- रामकृष्ण मिशन, रांची द्वारा कार्यान्वित स्वास्थ्य संबंधी पहल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करने में उनकी भूमिका का पता लगाना।
- रामकृष्ण मिशन, रांची द्वारा संचालित शैक्षणिक पहलों का समाज के विभिन्न वर्गों पर प्रभाव का विश्लेषण करना।
- रामकृष्ण मिशन, रांची द्वारा संचालित सांस्कृतिक-आध्यात्मिक कार्यक्रमों का अध्ययन करना।

1.5 शोध की परिकल्पना

- रांची में रामकृष्ण मिशन की स्थापना जनजातीय क्षेत्र के विभिन्न स्थानीय समुदाय के कल्याण एवं विकास हेतु किया गया।

- रामकृष्ण मिशन, रांची के आरम्भिक कठिनाईयों का समाधान विभिन्न स्थानीय सहयोग द्वारा किया गया।
- रामकृष्ण मिशन, रांची के आर्थिक और सामाजिक विकास कार्यक्रम ने समाज के विभिन्न वर्गों को प्रशिक्षित कर आत्मानिर्भर बनाया है।
- रामकृष्ण मिशन, रांची द्वारा कार्यान्वित स्वास्थ्य संबंधी पहल ने स्थानीय आबादी के बीच स्वास्थ्य देखभाल संबंधी असमानताओं को दूर करने और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- रामकृष्ण मिशन, रांची द्वारा की गई शैक्षिक पहल ने विविध सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों की शैक्षणिक उत्कृष्टता और नैतिक विकास में योगदान दिया है।
- रामकृष्ण मिशन, रांची द्वारा संचालित सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम ने समाज के सदस्यों के बीच सांस्कृतिक गौरव और आध्यात्मिक जागृति की भावना को बढ़ावा दिया है।

2. शोध प्रारूप :-

2.1 शोध विधि

प्रस्तावित शोध प्रबंध में ऐतिहासिक अनुसन्धान विधि का अनुसरण करते हुए मुख्यतः प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत के माध्यम से तथ्यों का संकलन किया जायेगा। यहाँ मिश्रित पद्धति का उपयोग करते हुए गुणात्मक एवं मात्रात्मक आंकड़ो का विश्लेषण कर रामकृष्ण मिशन आश्रम, रांची के ऐतिहासिक योगदान की जाँच की जाएगी। तथ्यों के संकलन

हेतु रामकृष्ण मिशन आश्रम से संबंधित ऐतिहासिक दस्तावेजों, प्रकाशनों, वार्षिक रिपोर्ट, अभिलेखागार श्रोतों, स्थानीय पुस्तकालय, विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं इत्यादि का सहारा लिया जाएगा। आश्रम के वरिष्ठ सदस्यों, आश्रम के संघ के सदस्यों, स्थानीय निवासियों और हितधारकों के साथ साक्षात्कार कर महत्वपूर्णा अंतर्दृष्टि प्राप्त की जाएगी। उदेश्यपूर्ण नमूनाकरण विधि का उपयोग करते हुए जानकार प्रतिभागियों का एक समूह तैयार कर, सर्वेक्षण के माध्यम से आश्रम के कार्यक्रमों की सफलता, उनकी प्रभावकारिता का मूल्यांकन किया जायेगा। विभिन्न दस्तावेजों, साक्षात्कारों, सर्वेक्षण से प्राप्त की गई जानकारी का संग्रह और विश्लेषण कर आश्रम के विकास के महत्वपूर्ण घटनाओं, सामाजिक परिणामों और परिवर्तनों को सुनिश्चित करना शामिल है।

2.2 आंकड़ा संग्रह हेतु उपकरण और तकनीक

प्रस्तावित शोध में ऐतिहासिक अनुसन्धान विधि के अंतर्गत तथ्यों के संग्रह एवं विश्लेषण हेतु कई प्रकार के उपकरण शामिल किये जाएंगे। यहाँ प्रमुख घटनाओं की महत्वपूर्ण अवधियों की पहचान करते हुए, रामकृष्ण मिशन आश्रम, रांची के कालानुक्रमिक विकास का आकलन करना शामिल है। आश्रम के पूर्व और वर्तमान सदस्यों के साथ साक्षात्कार कर ऐसे तथ्यों पर अंतर्दृष्टि मिल सकती है जो हमें लिखित स्रोतो में उपलब्ध नहीं होते। आश्रम द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रम और उनके प्रभाव के संबंध में समाज के भीतर व्यक्तियों की धारणाओं, अनुभवों और राय का मात्रात्मक डेटा इकट्ठा करने के लिए सर्वेक्षण डिज़ाइन नियोजित किया जाएगा तथा प्राप्त आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन कर कार्यक्रम के वास्तविक उपयोगिता का मूल्यांकन किया जाएगा। यहाँ आश्रम पुस्तकालय में पुस्तकों का एक वृहत संग्रह

उपलब्ध है, जो शोध विषय के आधारभूत समझ हेतु सहायक है। इसके साथ विभिन्न ऐतिहासिक दस्तावेज, पुस्तकें एवं रिपोर्ट इत्यादि डिजिटल वेब पर उपलब्ध हैं। संग्रहित डेटा के विश्लेषण हेतु डेटा एनालिसिस सॉफ्टवेयर का भी उपयोग किया जायेगा।

2.3 आंकड़ो का विश्लेषण

प्रस्तावित शोध कार्य में तथ्यो के विश्लेषण हेतु संग्रह किये गए विभिन्न प्राथमिक एवं द्वितीयक श्रोतों के वैधता, विश्वसनियता की जाँच की जाएगी। स्रोत के लेखक, प्रकाशन, समय को सत्यापित करने के उपारान्त लेखक के विचार, पूर्वाग्रह इत्यादि का आकलन किया जाएगा। तत्पश्चात स्रोत के आतंरिक तथ्य का विश्लेषण करते हुए उपयोगी सूचनाओ को अलग किया जाएगा जिसमें तथ्य के वास्तविक अर्थ को समझते हुए विभिन्न सूचनाओं को सत्यापित करना शामिल है। इसके साथ ही मात्रात्मक मूल्यांकन के अंतर्गत साक्षात्कार, सर्वेक्षण इत्यादि विभिन्न अध्ययन से प्राप्त मात्रात्मक आंकड़ो का सांख्यिकीय विश्लेषण किया जाएगा। अंततः रामकृष्ण मिशन आश्रम, रांची के ऐतिहासिक विरासत की व्यापक समझ बनाने के लिए विभिन्न डेटा विश्लेषण विधियों से निष्कर्षों का संश्लेषण करना शामिल है।

3. शोध कार्य का महत्व

प्रस्तुत शोध प्रबंध रामकृष्ण मिशन आश्रम, रांची की ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण एवं दस्तावेजीकरण में महत्वपूर्ण योगदान देता है। समाज के विभिन्न वर्गों पर रामकृष्ण मिशन के प्रभाव का आकलन कर, यह अध्ययन सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देने, समुदाय

को सशक्त बनाने और तत्काल सामाजिक जरुरतों को सम्बोधित करने में जमीनी स्तर की पहल की भूमिका को उजागर करता है। प्रस्तुत अध्ययन धर्म, परोपकार और सामाजिक परिवर्तन के बीच अंतर्संबंध की हमारी समझ को विकसित करता है। साथ ही विभिन्न समुदायिक विकास और मानवीय कल्याण के कार्य में समर्पित अन्यस संगठनों और व्यक्तियों के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल के रुप में कार्य करता है।

4. वर्तमान समय में विषय की प्रासंगिकता एवं आवश्यकता

प्रस्तुत शोध कार्य रामकृष्ण मिशन आश्रम, रांची का ऐतिहासिक अवलोकन, समुदायिक विकास मॉडल प्रस्तुत करता है जो सतत विकास के लिए प्रभावी रणनीति बनाने में सहायक है। वर्तमान समय में समाज गरीबी, स्वास्थ्य देखभाल संबंधी असमानताओं, शैक्षिक असमानताओं जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दो से जूझ रहा है, आश्रम की ऐतिहासिक पहलों का अध्ययन कर व्यवहारिक समाधान प्रदान किया जा सकता है। धार्मिक तनाव के वर्तमान परिवेश में रामकृष्ण मिशन की समावेशी शिक्षा एवं मानवतावादी विचार अंतर्धार्मिक सहयोग एवं समझ को विकसित कर सकते हैं। यह अध्ययन विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं के बीच सहयोग का प्रत्यक्ष उदाहरण प्रस्तुत कर स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक कल्याण से संबंधित नीतिगत निर्णय लेने की प्रक्रिया मे महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

5. वर्तमान ज्ञान में योगदान

प्रस्तावित शोध विषय रामकृष्ण मिशन आश्रम, रांची का ऐतिहासिक अवलोकन, विभिन्न प्रकार से वर्तमान ज्ञान में योगदान करने की क्षमता रखता है। सबसे पहले, एक विस्तृत

ऐतिहासिक अध्ययन करके, यह शोध नौ दशकों की अवधि में रांची में रामकृष्ण मिशन आश्रम के विकास और प्रभाव में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है। यह व्यापक विश्लेषण स्थानीय समुदाय और शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सामाजिक कल्याण और सांस्कृतिक विकास में आश्रम के बहुमुखी योगदान की हमारी समझ में मौजूदा अंतराल को भर सकता है। इसके अलावा, आश्रम के सामने आने वाली चुनौतियों और समय के साथ अनुकूलन के लिए इसकी रणनीतियों का विवरण प्रस्तुत कर, यह शोध सामुदायिक विकास कार्यों में लगे समान संगठनों के लिए व्यावहारिक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है। इसके अतिरिक्त, अध्ययन उन व्यापक सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक संदर्भों पर प्रकाश डाल सकता है जिनके भीतर आश्रम संचालित होता है, इस प्रकार भारत में सामाजिक परिवर्तन और धार्मिक परोपकार को आकार देने वाली गतिशीलता के बारे में हमारी समझ समृद्ध होती है। अंततः, ऐतिहासिक डेटा और आख्यानों को संश्लेषित करके, यह शोध विभिन्न समुदायों में सामाजिक एकजुटता, सशक्तिकरण और समग्र विकास को बढ़ावा देने में रामकृष्ण मिशन आश्रम जैसे संस्थानों द्वारा निभाई गई भूमिका की गहरी सराहना में योगदान दे सकता है।

6. भविष्य कार्य

भविष्य के शोध सामुदायिक विकास दृष्टिकोण में सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करने के लिए समान सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों में संचालित अन्य धार्मिक या परोपकारी संस्थानों के साथ तुलनात्मक विश्लेषण करने पर भी ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य,

शिक्षा को उन्नत बनाने या कृषि, ग्रामीण विकास कार्यक्रम जैसे विषयों पर व्यापक निहितार्थों का पता लगाने के लिए अन्तःविषयक शोध किया जा सकता है।

7. प्रस्तावित अध्याय

भूमिका

प्रथम अध्याय :- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

द्वितीय अध्याय :- प्रारंभिक चुनौतियाँ

तृतीय अध्याय :- आर्थिक-सामाजिक विकास कार्यक्रम का योगदान

चतुर्थ अध्याय :- स्वास्थ्य क्षेत्र में योगदान

पंचम अध्याय :- शिक्षा के क्षेत्र में योगदान

षष्टम् अध्याय :- सांस्कृतिक-आध्यात्मिक कार्यक्रम

निष्कर्ष

सन्दर्भ ग्रंथ

परिशिष्ट

सन्दर्भ सूची

1.अविनाशीलिंगम, टी.एस, 1964, एजुकेशनल फिलोसॉफी ऑफ स्वामी विवेकानंद, श्री रामकृष्ण विद्यालय, कोयंबटूर

2.गुप्ता, नंद लाल, 2014, योगिराजाधिराज स्वामी विशुद्धानंद परमहंसदेवःजीवन और दर्शन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

3.गम्भीरानंद, स्वामी, 1957, हिस्ट्री ऑफ द रामकृष्ण मठ एंड मिशन, अद्वैत आश्रम, कलकत्ता

4.निखिलानंद, स्वामी, 2010, स्वामी विवेकानन्द का जीवन, अद्वैत आश्रम, भारत

5.निवेदिता, सिस्टर, 1910, द मास्टर एज़ आई सॉ हिम, सैनेज पब्लिशिंग हॉउस एलएलपी

6.प्रभानंद, स्वामी, 2003, स्वामी विवेकानन्द विज़न ऑफ रूरल डेवलपमेंट, रामकृष्ण मिशन लोकशिक्षा परिषद, कोलकाता

7.प्रभानंद, स्वामी, 2009, अर्ली हिस्ट्री ऑफ रामकृष्ण मूवमेंट, श्री रामकृष्ण मठ, चेन्नई

8.बुद्धानंद, स्वामी, 1980, द रामकृष्ण मूवमेंट, अद्वैत आश्रम, कलकत्ता

9.विवेकानंद, स्वामी, 2016, द कम्प्लीट वर्क्स ऑफ स्वामी विवेकानंद, अद्वैत आश्रम, भारत

10.सारदानंद, स्वामी, 1979, महान गुरु श्री रामकृष्ण, वेदांत प्रेस

11.सिंह, शैल कुमारी, 1983, रिलिजियस एंड मोरल फिलोसॉफी ऑफ स्वामी विवेकानंद, जानकी प्रकाशन,पटना

12.प्रबुद्ध ग्राम, क्वाटरली जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट, रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोराबादी, रांची

13.वार्षिक रिपोर्ट, 2014-15, रामकृष्ण मिशन आश्रम, दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र, मोराबादी, रांची

14.वार्षिक रिपोर्ट, 2015-16, रामकृष्ण मिशन आश्रम, दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र, मोराबादी, रांची

15.वार्षिक रिपोर्ट, 2016-17, रामकृष्ण मिशन आश्रम, दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र, मोराबादी, रांची